भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
....
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1423
दिनांक 13 फरवरी, 2025 को उत्तरार्थ

एनपीटीआई द्वारा निधि का कम उपयोग

1423. श्री कीर्ति आज़ादः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एनपीटीआई) द्वारा बजटीय आवंटनों के इष्टतम से कम उपयोग के कारणों का ब्यौरा क्या है,

(ख) आवंटित निधि के कम उपयोग के लिए उत्तरदायी चुनौतियों का समाधान करने और उक्त संस्थान की वित्त-उपयोग क्षमता में वृद्धि करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जा रहे विशिष्ट कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उन कारकों का आकलन किया है जिनके कारण राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एनपीटीआई) ने वर्ष 2018 में अपना आत्मनिर्भर का दर्जा खो दिया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त संस्थान की वित्तीय आत्मनिर्भरता बहाल करने में सहायता करने के लिए कार्यान्वित किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) विद्युत क्षेत्र में इसके प्रभावी योगदान को सुनिश्चित करने के लिए उक्त संस्थान के प्रचालनात्मक और वित्तीय कार्य-निष्पादन को सुदृढ़ करने के लिए किसी दीर्घकालिक रणनीति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) और (ख) : भारत सरकार राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एनपीटीआई) को अपनी पेंशन देनदारियों की आवश्यकता को पूरा करने और देश भर में फैले इसके संस्थानों में अवसंरचना निर्माण/उन्नयन के लिए धनराशि मुहैया कराती है। वित्त वर्ष 2022-23 में 50 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन के निमित्त एनपीटीआई ने 14.35 करोड़ रुपये का उपयोग किया, जिसमें से 12 करोड़ रुपये पेंशन देनदारियों को पूरा करने और 2.35 करोड़ रुपये अवसंरचना उन्नयन के लिए उपयोग किए गए। इसी तरह वित्त वर्ष 2023-24 में 35 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन के मुकाबले एनपीटीआई ने 22.93 करोड़ रुपये का उपयोग किया, जिसमें से 10 करोड़ रुपये पेंशन देनदारियों को पूरा करने और 12.93 करोड़ रुपये अवसंरचना उन्नयन के लिए उपयोग किए गए। उपर्युक्त अवधि के दौरान, एनपीटीआई ने अपने संस्थानों के महत्वपूर्ण अवसंरचना उन्नयन से संबंधित विभिन्न कार्यों जैसे छात्रावास भवन का निर्माण और साज-सज्जा आदि तैयार करने का प्रस्ताव रखा, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और उसके बाद अनुमोदन में संस्थान अधिक समय लेने के कारण, उन परियोजनाओं तहत प्रस्तावित कार्य निष्पादित नहीं किए जा सके और एनपीटीआई को आवंटित धनराशि अप्रयुक्त रह गई।

संस्थान की वित्त उपयोग क्षमता बढ़ाने के लिए, विद्युत मंत्रालय ने संस्थान को सलाह दी है कि वह नियमित रूप से उपयोग प्रमाण-पत्रों के साथ प्रस्ताव समय से पहले प्रस्तुत करे, ताकि समय पर धनराशि जारी की जा सके। इन उपायों की मदद से वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 में अवसंरचना के तहत धनराशि के उपयोग में सुधार हुआ है।

(ग) और (घ) : एनपीटीआई हरियाणा पंजीकरण एवं सोसाइटी विनियमन अधिनियम 2012 के तहत पंजीकृत एक स्वायत्त संस्थान है। इसने वर्ष 2004-05 से लगातार आत्मनिर्भरता बनाए रखी है और अपने कर्मचारियों के वेतन सहित सभी आवर्ती और गैर-योजनागत व्ययों को पूरी तरह से अपनी राजस्व आय से वहन कर रहा है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, मंत्रालय की वित्तीय सहायता अवसंरचना के विकास और पेंशन देनदारियों के लिए अनुदान प्रदान करने तक सीमित है।

(ङ) : एनपीटीआई के प्रचालन और वित्तीय निष्पादन को सुदृढ़ करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

i. भारत सरकार विद्युत मंत्रालय ने देश में विद्युत क्षेत्र की प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एनपीटीआई को एक राष्ट्रीय शीर्ष निकाय के रूप में नामित किया है।

ii. एनपीटीआई ताप विद्युत संयंत्र इंजीनियरिंग, जल विद्युत, पारेषण/उप- पारेषण /वितरण, स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकियां, पारेषण और वितरण यूटिलिटी/उत्पादन संयंत्र के लिए विद्युत प्रणाली ऑपरेशन विनियमन, पारंपरिक और नवीकरणीय ऊर्जा, विद्युत संयंत्र, वृहद् आरई ग्रिड इंटीग्रेशन प्रौद्योगिकियां, हाइब्रिड एनर्जी जैसे सौर, पवन, बायोमास सह-उत्पादन आदि में इंजीनियरों और पर्यवेक्षकों के लिए विभिन्न दीर्घकालिक, मध्यम-अवधि, अल्पकालिक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। संस्थान ने पिछले कुछ वर्षों में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि की है।

iii. एनपीटीआई क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है जैसे अनिवार्य फाउंडेशन कार्यक्रम, ताप विद्युत संयंत्र में बायोमास के उपयोग संबंधी राष्ट्रीय मिशन के तहत जागरूकता कार्यक्रम, साइबर सुरक्षा पर प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम, संशोधित वितरण क्षेत्र स्कीम (आरडीएसएस) के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रणाली ऑपरेटर प्रमाणन परीक्षा, प्रणाली ऑपरेटर प्रशिक्षण कार्यक्रम, पीएम सूर्य घर: मुफ्त विद्युत योजना के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि।

iv. सीईए के केंद्रीय विद्युत इंजीनियरिंग सेवा अधिकारियों के कैरियर में उन्नति के लिए फाउंडेशन और मिड-करियर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। डीवीसी, एनएचपीसी, पोसोको, महाजेनको, एमपीजेनको आदि जैसी विभिन्न यूटिलिटी के लिए प्रवेशकालिक प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं।

v. वर्तमान में विभिन्न प्रोग्राम के तहत एमबीए, पीजीडीसी और पीडीसी जैसे विभिन्न दीर्घकालिक कार्यक्रम जैसे कि विद्युत प्रबंधन में एमबीए, विद्युत संयंत्र इंजीनियरिंग में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स (पीजीडीसी), नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रिड इंटरफेस प्रौद्योगिकी विद्युत वितरण और उभरती हुई प्रौद्योगिकी, जल विद्युत संयंत्र इंजीनियरिंग और विद्युत संयंत्र इंजीनियरिंग में पोस्ट डिप्लोमा कोर्स (पीडीसी) चल रहे हैं।

vi. डीवीसी की वित्तीय सहायता से दुर्गापुर केंद्र में ताप विद्युत संयंत्र के महत्वपूर्ण प्रचालन को समझने में कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए एक एआर/वीआर प्रयोगशाला विकसित करने का प्रस्ताव किया गया है।

vii. ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रमों की सुविधा के लिए एक ई-लर्निंग प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) विकसित की गई है।

viii. एनपीटीआई अपने नियमित कर्मचारियों और संकायों के लिए उनके कौशल को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम आयोजित करता है और कर्मचारियों को एनपीटीआई के अन्य केंद्रों और अन्य संगठनों द्वारा यूटिलिटी के लिए आयोजित, अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला/सेमिनार और सम्मेलनों में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का हिस्सा बनने की अनुमति भी देता है।

ix. एनपीटीआई विभिन्न यूटिलिटी को परामर्श सेवाएं प्रदान करने में भी कार्यरत है।

x. अधिक संख्या में प्रशिक्षण की सुविधा के लिए अवसंरचना को सुदृढ़ किया गया है, जिसके तहत केरल के अलपुझा और मध्य प्रदेश के शिवपुरी में 02 नए संस्थान स्थापित किए गए हैं जिन्होंने वर्ष 2020 से कार्य करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा, महत्वपूर्ण अवसंरचना (छात्रावास उन्नयन और अन्य सिविल कार्यों) के विकास स्कीम के तहत एनपीटीआई के 09 संस्थानों और एनपीटीआई संस्थानों में तीन नए छात्रावास के निर्माण को मंजूरी दी।

xi. प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए, एनपीटीआई-पीएसटीआई, बेंगलुरु, एनपीटीआई (ईआर), दुर्गापुर, एनपीटीआई, सीओ, फरीदाबाद, एनपीटीआई- अलपुझा, केरल, एनपीटीआई (डब्ल्यूआर), नागपुर और एनपीटीआई, शिवपुरी में 06 नए मल्टीफंक्शनल सिम्युलेटर सफलतापूर्वक चालू किए गए हैं।

****